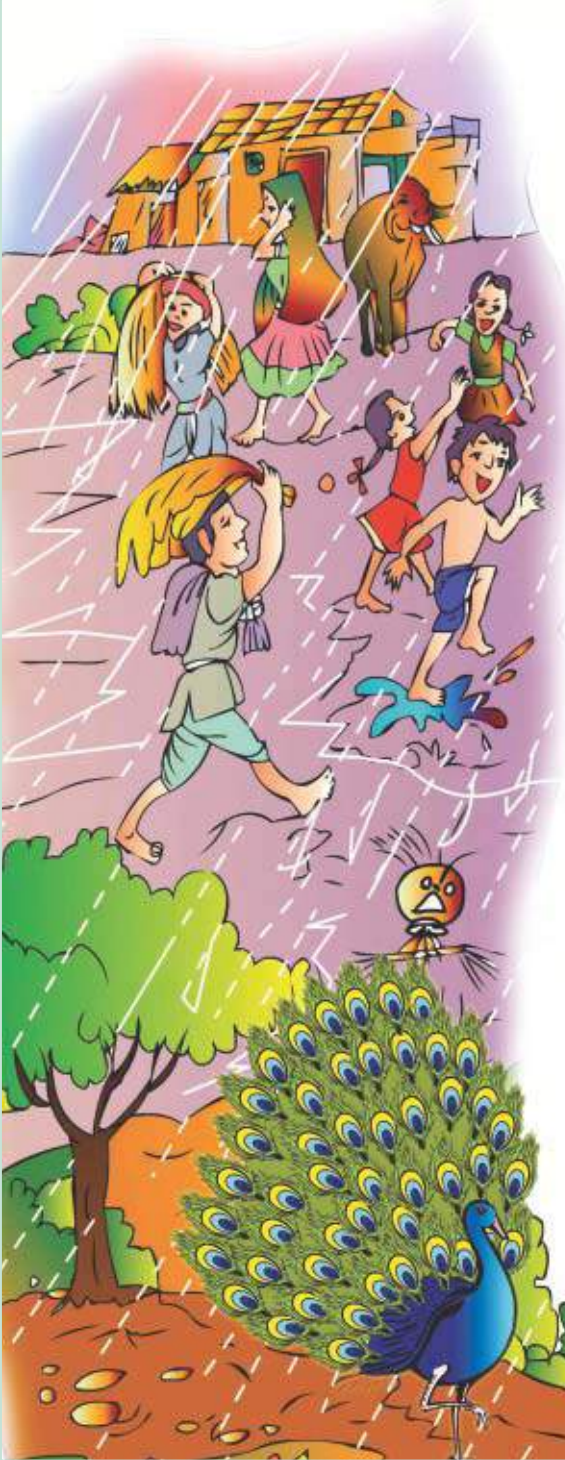


मेघा पानी दे



काले मेघा पानी दे
पानी दे गुड़धानी दे।
बरसो खूब झमा-झम-झम
नाचे मोर छमा-छम-छम॥

खेतों से खलिहानों तक
पर्वत से मैदानों तक।
धरती को रंग धानी दे
काले मेघा पानी दे॥

भर दे सारे ताल-तलैया
नाचें! सब मिल छम्मक-छैया।
हमको नई कहानी दे
सबको दाना-पानी दे।
पानी दे जिंदगानी दे।
काले मेघा पानी दे॥





शब्द-अर्थ

मेघा	—	बादल
गुड़धानी	—	गुड़ मिलाकर बनाया गया धान
ताल	—	तालाब
तलैया	—	छोटा तालाब
जिंदगानी	—	जीवन

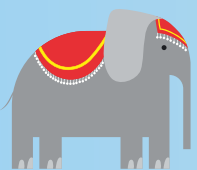
1. उचित विकल्प भरें, बारिश में कौन क्या करता है ?

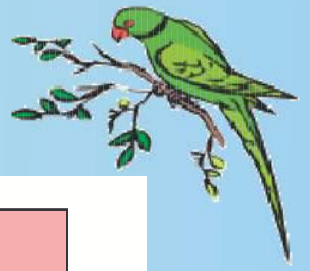
(क) मिट्टी में	नहाती है।	(चिड़िया / छतरी)
(ख)	बिल से निकल जाते हैं।	(साँप / कौए)
(ग) मेंढक	हैं।	(छिपते / टरते)
(घ) बच्चे	के घर बनाते हैं।	(मिट्टी / गोबर)

2. सोचें और बताएँ

1. बारिश आने पर क्या-क्या होता है ?
2. तुम्हें बारिश में क्या-क्या करना अच्छा लगता है ?

3. कौनसा चित्र किस मौसम से संबंधित है। रेखा खींचकर मिलाओ।





चित्र	मौसम
	गरमी
	बरसात
	सरदी

4. उचित विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाएँ

(अ) बारिश के मौसम में कौन नाचता है ?

(क) वाहन

(ख) बादल

(ग) मोर

(घ) सूरज





(ब) धरती को बरसात क्या देती है ?

(क) दाना (ख) गुड़धानी

(ग) मिट्टी (घ) रंगधानी

5. कविता के अनुसार पंक्तियों को पाठ के क्रम में लिखें

खेतों से खलिहानों तक

.....

धरती को रंग धानी दे

.....

पर्वत से मैदानों तक ।

.....

काले मेघा पानी दे ।।

.....

6. आवाज व चित्रों के आधार पर जानवरों के नाम लिखें

चित्र

नाम

कैसे बोलते हैं



.....

पिहू – पिहू



.....

टर् – टर्



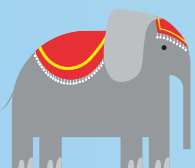
.....

टाँय – टाँय



.....

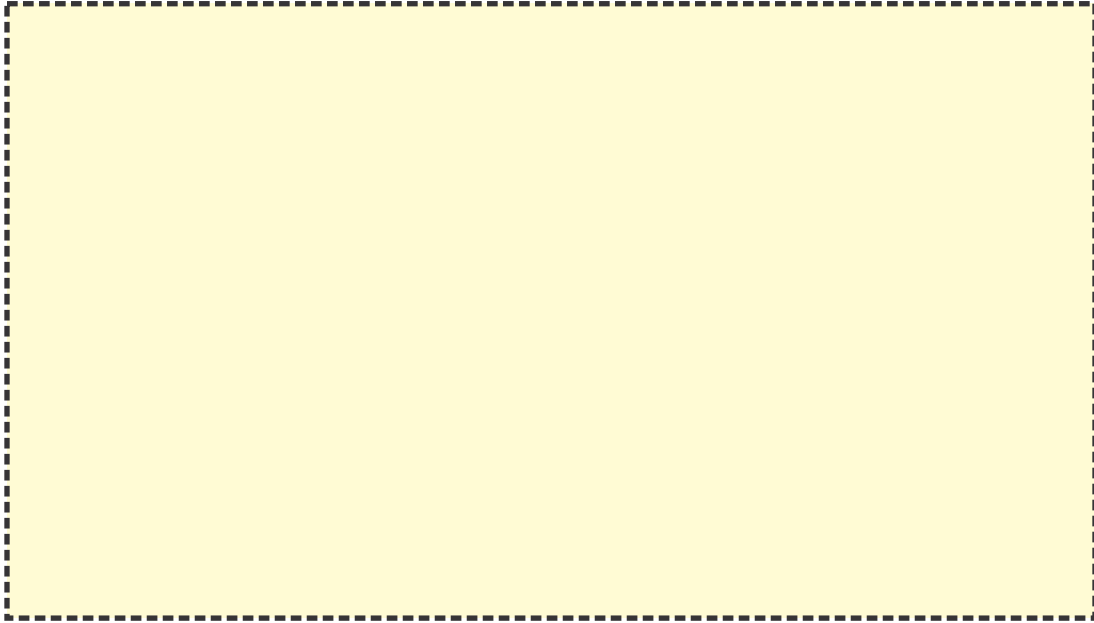
काँव – काँव





7. यह भी करें

बारिश के मौसम में जगह-जगह पानी भर जाता है। वर्षा ऋतु की गतिविधियों पर चर्चा करके बच्चों से कागज की नाव बनवाएँ और उसे पानी में तैराने को कहें।



8. इसे भी याद करें

रिमझिम-रिमझिम पानी दे दो।

प्यारे बादल पानी दे दो।।

उमड़-घुमड़कर तुम आ जाओ।

आसमान पर तुम छा जाओ।

फुदक-फुदक कर मेंढक उछले।

नाचें मोर, पपीहे बोलें।





छम—छम, पी—पी, छम—छम, पी—पी

काले बादल पानी दे दो।

प्यारे बादल पानी दे दो।

रिमझिम—रिमझिम, रिमझिम—रिमझिम ॥

दादाजी का बाग हरा कर।

नानाजी का खेत हरा कर।

नदियों को तुम जल से भर दो।

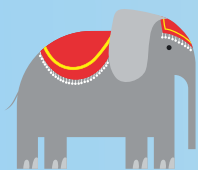
झरनों में तुम पानी कर दो ॥

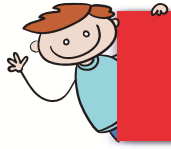
कल—कल, छल—छल, कल—कल, छल—छल।

काले बादल पानी दे दो।

प्यारे बादल पानी दे दो।

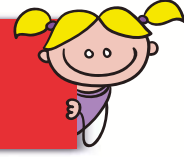
रिमझिम—रिमझिम, रिमझिम—रिमझिम ॥





केवल पढ़ने के लिए

रंगीला बिल्ला



दिल्ली से आया एक बिल्ला
नाम है उसका रंगीला ।
मंद—मंद मुस्कान है उसकी
चश्मा है उसका चमकीला ।
पंजाबी कुर्ता है उसका
और दुपट्टा हल्का पीला ।

चप्पल उसकी जापानी है
पर्स है उसका गहरा नीला ।
भूख लगी है उसको भारी
मचा रहा है, चिल्लम—चिल्ला ।
मैं बोली, मेरे प्यारे बिल्लू
मत कर इतना हल्ला—गुल्ला ।

